Padma Vibhushan

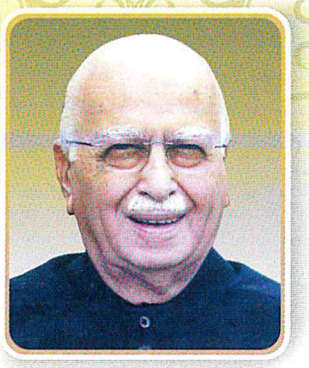

Shri Lal Kishinchand Advani

Shri Lal Kishinchand Advani, a veteran political has been serving the nation with great dedication and distinction in various capacities for the past 65 years. He is a senior leader of the BJP, having served as its president five times. Currently a member of the 16th Lok Sabha, he has the honour of being the longest serving Member of Indian Parliament. His parliamentary career, which began in 1970, has seen him become a member of the Rajya Sabha four times, and of the Lok Sabha seven times.

2. Born on November 8, 1927, in Karachi, Shri Advani spent the first twenty years of his life in Sind in undivided India. He studied at Saint Patrick's High School in Karachi and later joined D.G. National College, Hyderabad (Sind). Driven by a strong patriotic passion during his student years, he plunged into the movement for India's freedom by joining the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) in 1940. The Partition of India forced millions of Hindus from Sindh, including Shri Advani's family, to migrate to independent but truncated India. He graduated in Law from Government Law College, Mumbai.

3. Shri Advani's illustrious political life began in 1951 when he became a founding member of the Bharatiya Jana Sangh, which was established by Dr. Syama Prasad Mookerjee. He went on to become the party's president in 1973. He, along with hundreds of leaders of opposition parties, was imprisoned during the Emergency (1975-77) and spent 19 months in Bangalore's Central Jail. He played a valiant role in the movement against authoritarianism and for the restoration of democracy under the leadership of Loknayak Jaiprakash Narayan. His book A Prisoner's Scrap-Book (1977) is hailed as one of the best works of prison literature in the country. Along with Shri Atal Bihari Vajpayee, he played a key role in the formation of the Janata Party, which won a landslide victory in the parliamentary elections held in March 1977 after the lifting of the Emergency. He won all-round praise for his work as the Minister of Information and Broadcasting in the Janata Party Government, especially for spearheading the government's moves to annul all the anti-democratic laws passed during the Emergency.

4. Shri Advani, along with Shri Atal Bihari Vajpayee, was the main architect of the Bharatiya Janata Party, whose formation in 1980 heralded a new era in Indian politics. He led the Ram Janmabhoomi movement in the late 1980s. However, he described the demolition of the Babri Masjid in 1992 as the saddest day of his life. Under his presidentship, the BJP rose from strength to strength, built the National Democratic Alliance, and became the ruling party in the Lok Sabha elections held in 1998 and again in 1999. He was India's former Deputy Prime Minsiter between 1999 and 2004, he served as the Minister of Home Affairs in the Government of the National Democratic Alliance (NDA), which was led by the Bharatiya Janata Party (BJP) with Shri Atal Bihari Vajpayee as the Prime Minister. As Home Minister, he piloted the most comprehensive review of India's internal security system, which led to several important reforms. In 1999 he was honoured with the Outstanding Parliamentarian Award.

5. Shri Advani's important contribution to the defence of democracy is his strong advocacy of Good Governance and Clean Politics, which he believes is critical for transforming India's Swaraj (Self-Government) into Su-raj (Virtuous Government). A man of firm and non-doctrinaire convictions, he has also made a seminal contribution to the normalisation of relations between India and Pakistan, his ground-breaking visit to Pakistan being a testimony to this. His 1040-page autobiography 'My Country My Life (2008)', widely acclaimed as an insightful chronicle of the defining events in Indian politics since Independence, is a mirror to his soaring patriotism, undiminished idealism and his inspiring service to the nation.

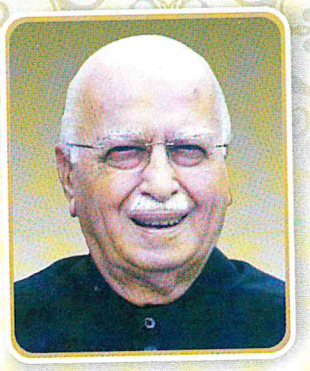

श्री लाल किशिनचन्द आडवाणी

श्री लाल किशिनचन्द आडवाणी, एक ऐसे अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं, जो पिछले 65 वर्षों से, पूर्ण समर्पण से और प्रतिष्ठा पूर्वक विभिन्न हैसियतों से राष्ट्र की सेवा करते आ रहे हैं। आप भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं और आपने इस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में पाँच बार सेवा की है। इस समय, 16वीं लोक सभा के एक सदस्य के रूप में आपको सबसे लम्बे समय तक भारतीय संसद के सेवारत सदस्य होने का सम्मान हासिल है। आपका संसदीय करिॲर, सन् 1970 में शुरू हुआ, जिसमें आप चार बार राज्य सभा के सदस्य और सात बार लोक सभा के सदस्य रहे हैं।

2. आपका जन्म नवम्बर 08, 1927 को कराची में हुआ। आपने अपने जीवन के पहले 25 वर्ष अविभाजित भारत में सिन्ध में व्यतीत किए। आपने कराची में सेन्ट पैट्रिक्स हाई स्कूल में अध्ययन किया और बाद में आप डी.जी. नेशनल कॉलिज, हैदराबाद (सिन्ध) में पढ़ने चले गए। अपने विद्यार्थी- जीवन के दौरान सशक्त देशभक्ति की उमंग से प्रेरित होकर, आप सन् 1940 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़कर, भारत की स्वतन्त्रता के आन्दोलन में कूद पड़े । भारत के विभाजन ने आपके परिवार सहित लाखों हिन्दुओं को सिन्ध से स्वतन्त्र भारत, किन्तु कटे-छँटे भारत में प्रवास करने को मजबूर कर दिया। आपने गवर्नमेंट लॉ कॉलिज, मुम्बई से कानून में स्नातक की उपाधि हासिल की।

3. आपके यशस्वी राजनैतिक जीवन की शुरूआत, सन् 1951 में हुई, जब आप भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य बने, जिसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित किया गया था । आप सन् 1973 में इस पार्टी के अध्यक्ष बन गए। आप विपक्षी दलों के सैकड़ों नेताओं के साथ सन् 1975 से 1977 तक आपातकाल के दौरान जेल में डाल दिए गए और आपने बेंगलुरू की सेन्ट्रल जेल में 19 महीने बिताए। आपने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में सत्तावाद के खिलाफ़ और लोकतंत्र की बहाली के आन्दोलन में बहुत साहस और बहादुरी से पूर्ण भूमिका निबाही। आपकी पुस्तक अ प्रिज़नर्स स्क्रैप बुक (1977) को देश में जेल-साहित्य की सर्वश्रेष्ठ कृतियों में से एक माना जाता है। आपने श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ जनता पार्टी के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निबाही, जिसने आपातकाल को हटाए जाने के बाद मार्च,1977 में हुए संसदीय चुनावों में महाविजय हासिल की। जनता पार्टी की सरकार में सूचना और प्रसारण-मंत्री के रूप में आपके कार्यों, विशेष रूप से आपातकाल के दौरान पारित किए गए लोकतन्त्र विरोधी क़ानूनों को रद्द करने के सरकार के कार्यों में आपके नेतृत्व ने सब तरफ़ से प्रशंसा अर्जित की।

4. आप श्री अटल बिहारी वाजपेजी सहित भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख निर्माता रहे, जिसके 1980 में गठन ने भारतीय राजनीति में एक नए युग का ऐलान किया। आपने 1980 के दशक के अन्तिम वर्षों में रामजन्म भूमि आन्दोलन की अगुआई की। फिर भी, आपने सन् 1992 में बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने वाले दिन को अपने जीवन का सबसे दुखद दिन बताया। आपकी अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी उत्तरोत्तर मजबूत होती रही। इस पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन बनाया और यह पार्टी सन् 1998 में हुए लोक सभा चुनावों में और फिर सन् 1999 में हुए लोक सभा चुनावों में शासक दल के रूप में उभरी। आप सन् 1999 से सन् 2004 के बीच भारत के उप प्रधानमंत्री रहे। प्रधानमंत्री के रूप में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाई गई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में आपने गृह मंत्री के रूप में देश की सेवा की । गृहमंत्री के रूप में देश की सेवा करते हुए, आपने भारत की आन्तरिक सुरक्षा प्रणाली की सर्वाधिक व्यापक समीक्षा का पथ-प्रदर्शन किया, जिसके फलस्वरूप कई महत्वपूर्ण सुधार हुए। सन् 1999 में आपको उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

5. लोकतंत्र की रक्षा में आपका महत्वपूर्ण योगदान, आपके द्वारा सुशासन तथा स्वच्छ और निष्कलुष राजनीति की वकालत करना है, जो कि आपके विश्वास के अनुसार भारत के स्वराज (स्वशासन) को सु-राज में तब्दील करने के लिहाज़ से महत्वपूर्ण है। दृढ़ और व्यावहारिक धारणाओं के व्यक्ति के रूप में आपने भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने में भी महत्वपूर्ण और सारगर्भित योगदान किया है, आपके द्वारा किया गया पाकिस्तान का अग्रगण्य दौरा इसका साक्ष्य है। 1040 पृष्ठ की आपकी आत्मकथा, 'माइ कन्ट्री माइ लाइफ़ (2008)' को स्वतन्त्रता मिलने के बाद भारतीय राजनीति में हुए घटनाक्रम के अन्तर्दृष्टिपरक और पूर्ण जानकारी से युक्त इतिहास के रूप में व्यापक रूप से सराहा जाता है। आपकी यह आत्मकथा, आपकी लगातार बढ़ती रही देशभक्ति की ऊँची उड़ान, आपके कभी भी कम न हुए आदर्शों और आपके द्वारा की गई राष्ट्र की प्रेरणाप्रद सेवा का एक दर्पण है।